









100 DAYS READING CAMPAIGN

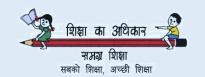
(Activities for BAALVATIKA)



100 दिवसीय पठन अभियान

स्कुली शिक्षा और साक्षरता विभाग, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा दिनांक 5 जुलाई 2021 से निपुन भारत मिशन का शुभारम्भ किया गया है, जिसके अन्तर्गत वर्ष 2026-27 तक प्राथमिक कक्षाओं में सार्वभौमिक मुलभूत साक्षरता और संख्या ज्ञान प्राप्त करने तथा बालवाटिका से कक्षा-3 तक सभी बच्चों में पढ़ने-लिखने और संख्या ज्ञान में ग्रेड स्तर की अपेक्षित योग्यता प्राप्त करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

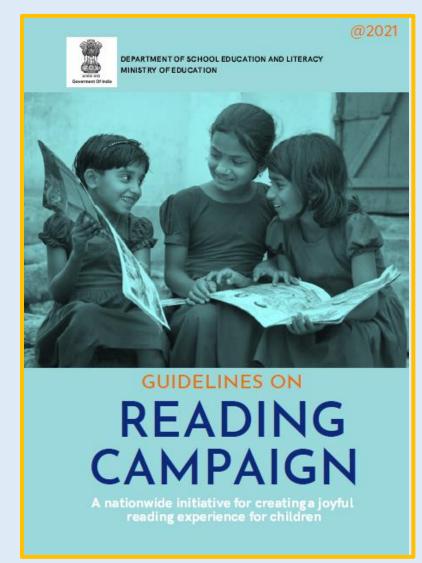




100 दिवसीय पठन अभियान का उद्देश्य



- इसी संदर्भ में स्कूली शिक्षा और साक्षरता विभाग, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए 100 दिवसीय राष्ट्रव्यापी पठन अभियान (रीडिंग कैम्पेन) की शुरूआत की गयी है।
- इस पठन अभियान का उद्देश्य राष्ट्रीय स्तर पर सभी हितधारकों जैसे-बच्चों, शिक्षकों, माता-पिता, समुदाय, प्रशासक आदि की भागीदारी सुनिश्चित करना है, जिससे कि प्रत्येक बच्चा पढ़ना सीखे और उसके बाद, सीखने के लिए पढ़ सके। 100 दिनों का यह अभियान चौदह सप्ताह तक चलेगा । रीडिंग कैम्पेन के दौरान सप्ताहवार गतिविधियाँ आयोजित की जायेंगी, जिससे पढ़ने की प्रक्रिया को आनन्ददायी बनाये जाने के साथ-साथ उसे जीवन के बाकी हिस्सों से भी जोड़ा जा सके।





बच्चों में पढ़ने की आदत कैसे विकसित करें?



- विभिन्न प्रकार की सरल और दिलचस्प कहानी की किताबें जिन्हें आकर्षक चित्रों के साथ चित्रित किया गया हो, की उपलब्धता एवं उन तक बच्चों की पहुँच सुनिश्चित करना।
- बच्चों को नियमित रूप से एक समर्पित समय एवं आरामदायक पढ़ने का माहौल प्रदान करना।
- बच्चों के लिए कुछ मजेदार गितविधियाँ जैसे—रीड अलाउड, उनके द्वारा पढ़ी गई किताबों पर चर्चा, रोल प्ले, शब्द खेल इत्यादि आयोजित करना, जिससे उनको किताबों से जोड़ा जा सके और पढ़ने की आदत का विकास किया जा सके।





बालवाटिका से आठवीं कक्षा तक पढ़ने वाले बच्चे इस अभियान का हिस्सा होंगे। जिनको तीन समूहों में वर्गीकृत किया गया है -

Room to Read

• ग्रुप ।: बालवाटिका से ग्रेड ॥ तक

• ग्रुप II: ग्रेड III से ग्रेड V तक

• ग्रुप III: ग्रेड VI से ग्रेड VIII तक

• 100 दिनों का पठन अभियान जनवरी 2022 से शुरू होकर अप्रैल 2022 तक कुल 14 सप्ताह का होगा |



अभियान में बच्चों तक पहुँच कैसे हो ?



- स्कूल, घर और मोहल्ले और स्थानीय सरकार की पूर्ण भागीदारी से।
- आई०वी०आर० सेवा, मोबाइल लाइब्रेरी द्वारा।
- ऑनलाइन/ऑफ़लाइन स्टोरीबुक्स, जोक बुक्स, कॉमिक बुक्स, कविता/राइम बुक्स, को साझा करके।





- बीआरसी/ सीआरसी/ माता-पिता/ परिवार के सदस्यों/स्वयंसेवकों की भागीदारी से I
- सरकारी प्रतिनिधियों, छात्रों, शिक्षकों, माता-पिता,
 कामकाजी पेशेवरों, और मशहूर हस्तियों को शामिल करके I



अभियान में प्रस्तावित गतिविधियाँ





- माता-पिता, शिक्षकों, छात्रों एवं समुदाय के सदस्यों के लिए गहन जागरूकता अभियान चलाना।
- स्थानीय कलाकारों/ मशहूर हस्तियों/ माता-पिता / दादा-दादी द्वारा कहानी सुनाने के सत्र आयोजित करना जिससे लोककथाओं, गीतों, तुकबंदी आदि को बढ़ावा दिया जा सके।
- ग्रेड उपयुक्त अतिरिक्त पठन सामग्री, पुस्तकालय की पुस्तकें इत्यादि प्रदान करना जिससे छात्रों में पढ़ने की आदत को बढ़ावा दिया जा सके।
- पंचायत/क्लस्टर/ब्लॉक स्तर पर पठन मेलों का आयोजन करना और इसमें स्कूल प्रबंधन समितियों (एसएमसी), स्वयं सेवकों को शामिल करना।
- एफएम चैनलों, स्थानीय रेडियो/टीवी चैनलों एवं समाचार पत्रों (स्थानीय और क्षेत्रीय) के साथ साझेदारी करना।

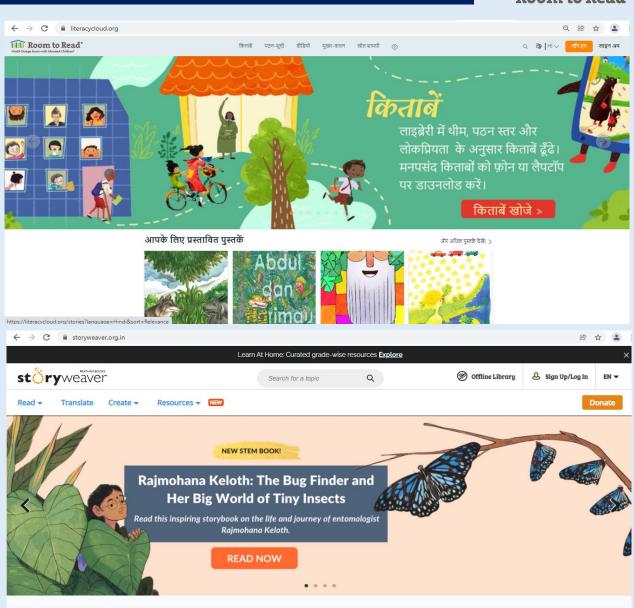




संसाधन



- DIKSHA पोर्टल एवं कहानियों का पिटारा
- राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) पर दिए गए संसाधन
- राष्ट्रीय पुस्तक ट्रस्ट (एनबीटी)
- रूम टू रीड का लिटरेसी क्लाउड (https://literacycloud.org)
- स्टोरी वीवर (https://storyweaver.org.in)
- प्रथम बुक्स (<u>https://prathambooks.org</u>)







- पुस्तकालय का भ्रमण एवं मन पसंद पुस्तकों से परिचय
- कहानियां सुनाना/ मुखर वाचन
- कविताएँ सुनाना
- मिटटी या बालू में अक्षर बनाना या अक्षरों पर उंगलियाँ फेरना
- फलों एवं पक्षियों इत्यादि से परिचय एवं गतिविधियाँ करवाना
- कविताओं को एक्शन के साथ दोहराना
- सह-पठन करना
- अपनी भाषा में कहानी सुनाना
- रोले प्ले करना
- अंग्रेजी एवं हिंदी के लेटर्स /अक्षर पहचान







- आओ कंकड़ / बीज जमाएं
- अपना मनपसंद पहचानो
- छूकर बताएं- (गरम या ठंडा, नरम या कठोर, खुरदरा या चिकना)
- जानवरों की आवाज पहचानो
- चित्रों /वस्तुओं में समानता बताओ
- मिटटी के खिलौने बनाओ
- चित्रों में रंग भरो
- बिंदु मिलाओ आकृति बनाओ
- शुरुआती और अंतिम ध्वनि पहचानो
- निर्देश सुनो और दोहराओ
- इनमें अलग क्या है







- उँगलियों की छाप से चित्र बनाना
- अंक पहचान
- गिनो और मिलाओ
- आकृति पहचानो (त्रिभुज, वर्ग, वृत्त आदि)
- चेहरा बनाओ

शाला परिसर से छोटे पत्थरों को इकट्ठा करें। उन्हें रंग, साइज़ और आकार अनुसार अलग कर सो लाइन तथा गोले बनाएँ-







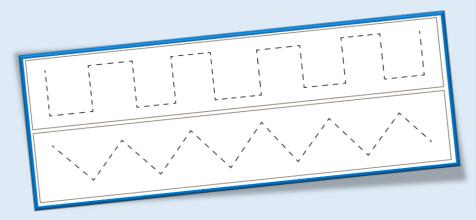


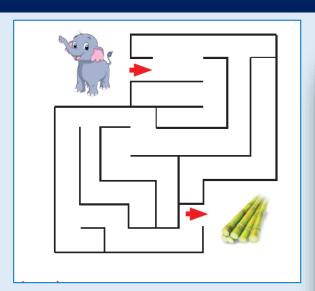


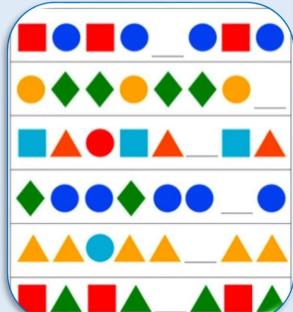


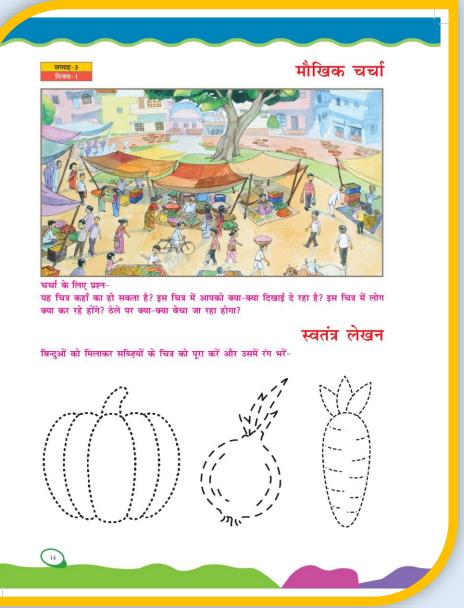
• क्रम से जमाओ

- त्योहारों पर चर्चा
- चित्र का नाम बताओ
- रास्ता खोजो पजल
- चित्रों पर चर्चा
- पैटर्न को आगे बढाओ





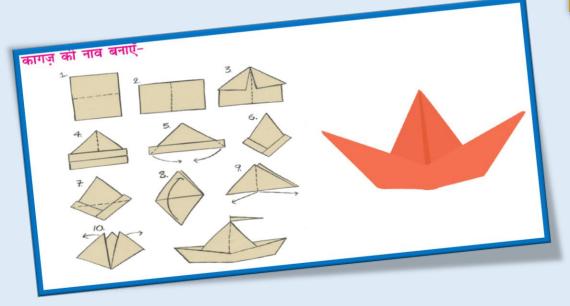








- कागज को मोड़कर वस्तुएं बनाना
- सब्जियों की छाप से चित्र बनाना
- चित्रों में अंतर खोजना



बच्चों के साथ सब्ज़ियों के छाप से चित्र बना सकते हैं। इसके लिए सब्ज़ियों को काटें, रंग में डु और उनके छाप से विभिन्न तरह के चित्र बनाएँ–

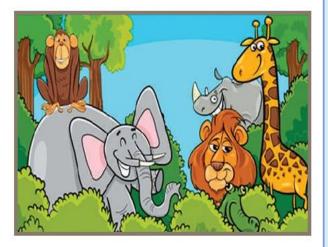






दोनों चित्रों में कम से कम 5 अंतर खोजें-







बाल वाटिका के बच्चों हेतु ऑन लाइन सामग्री



दिन	गतिविधियाँ	लिंक
सोमवार	सुनो कहानी: अकेली मछली	https://youtu.be/G2OxtcRhWrl
मंगलवार	सुनो कहानी: बहादुर मिमी	https://youtu.be/bii cWwuGdo
बुधवार	सुनो कहानी: जूते और मोजे	https://youtu.be/G6gAIHs-bjc
गुरुवार	सुनो कहानी: परेशान पहिया	https://youtu.be/lkvowbsu1lw
शुक्रवार	सुनो कहानी: मेंढक यात्रा	https://youtu.be/LRJhS5DfF84
शनिवार	सुनो कहानी: यह क्या है?	https://youtu.be/Hos_HnhtNjM

Innovative Mobile Libraries



Room to Read came up with stateof-the-art creative solutions to reach the unreached

VAN LIBRARIES

ACROSS 9 STATES



BIKE LIBRARY

IN MADHYA PRADESH

BOAT LIBRARY

IN UTTAR PRADESH

BULLOCK CART LIBRARY

IN CHHATTISGARH

CAMEL CART LIBRARY

IN RAJASTHAN







धन्यवाद्



